कोयला कंपनियों द्वारा किए गए व्यय की जांच-पड़ताल

2332. **श्री रामसिंह राठवा :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने कोयला कंपनियों द्वारा किए गए व्यय की जांच-पड़ताल की है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार ने इस संबंध में किन-किन अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा : (क) और (ख) कोल इंडिया लिमिटेड और सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० के वर्ष 1991–92 के लेखों तथा लेखा-परीक्षित वार्षिक रिपोर्टों की सरकार द्वारा समीक्षा करली गई है और वर्तमान संसद के सत्र के दौरान दोनों सदनों के सभा पटल पर रख दिया गया है। उपर्युक्त वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 1991–92 के दौरान इन कंपनियों द्वारा कमाए गए राजस्व, किए गए व्यय और लाभ/हानि को नीचे दर्शाया गया है :–

(करोड़ रु० में)

कम्पनी का नाम	कमाया गया राजस्व	किया गया व्यय	कमाया गया लाभ (+) उठाई गई हानि (–)
कोल इंडिया लि०	6836.06	6668.99	(+) 167.07
सिंगरेली कोलियरीज कम्पनी लि०	712.94	917.78	(–) 204.84

(ग) सरकार द्वारा की गई समीक्षा में किसी तरह की अनियमितताओं का उल्लेख नहीं किया गया है जिसके अंतर्गत कोयला कंपनियों के किसी अधिकारी के हो। कोई कार्रवाई की जानी अपेक्षित

Profit and loss incurred in coal mining

2333. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the net profit or loss in coal mining in Public Sector and Private Sector; and

(b) what is the proposal of Government to boost the profit or to avoid loss of income in future?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTSY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) In terms of Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 as amended from time to time, coal mining is at present being largely undertaken in public sector only. The profit (+) and loss (—) figures for the public sector coal companies namely Coal India Ltd. (CIL) and Singareni Collieries Company (SCCL) for the year 1991-92 are as under:—

1. CIL (+) Rs. 167.07 crores
2. SCCL (—) Rs. 204.84 crores

Data regarding profitability or otherwise of Coal mining in the private sector is not available.

(b) Following measures have been taken to contain losses in coal companies and make them economically viable: